प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज में आयोजित हुआ डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम की स्मृति में 17वाँ इन्नोवेशन डे।

लगभग 210 चलित व अचलित विज्ञान मॉडल्स द्वारा छात्रों ने बतायीं देश–विदेशों की नवोन्मेश तकनीकियाँ

दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 शारदा ग्रुप ऑफ इन्सटीट्यूशंस के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी में भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्मदिवस पर दो दिवसीय नवाचार दिवस (इन्नोवेशन डे) के रूप में मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री देबाशीष चक्रबर्ती, निदेशक ए.डी.आर.डी.ई. आगरा रहे जिन्होने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर तथा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस एक दिवसीय इन्नोवेशन डे 2017 में तकनीकी माडल्स एवं सह विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में आगरा से लगभग 25 माध्यमिक स्कूलों से 550 विद्यार्थियों के जरिये लगभग 90 साइंस माडल्स और मथुरा के 10 माध्यमिक स्कूलों से 200 बच्चों के जरिये लगभग 40 साइंस माडल्स प्रदर्शनी में विभिन्न स्टाल्स पर प्रदर्शित किये गये। साथ ही वरिष्ठ वर्ग में

इंजीनियरिंग एवं विज्ञान स्नातकों के स्तर पर विभिन्न कॉलेजों के लगभग 80 चलित एवं अचलित साइंस माडल्स वरिष्ठ स्टाल्स पर प्रदर्शित किये गये। इसके अलावा सामान्य ज्ञान पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कोई भी फीस जमा नहीं करायी गयी। विजयी घोषित टीमों को रु. 60,000/– से अधिक के नकद पुरस्कार संस्थान द्वारा परिणाम घोषित होने के उपरान्त वितरित किये जायेगें।

कार्यक्रम के संयुक्त समन्वयक कम्प्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष श्री मुनीश खन्ना और इनफोरमेशन टेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष श्री शंकर ठाकर ने बताया कि कनिष्ठ वर्ग में प्रदर्शित मॉडलों को संस्थान के तीन वरिष्ठ प्रोफेसरों की टीम ने जांचा–परखा व विज्ञान एवं तकनीकी पर आधारित मॉडल्स की प्रदर्शनी को शारदा ग्रुप से बाहर से बुलाये गये प्रोफेसर एवं वैज्ञानिकों की टीम के पैनल्स ने जांचा–परखा। इस प्रदर्शनी के परिणाम दो दिन बाद घोषित किये जायेगें।

इस प्रदर्शनी में दयालबाग ऐजुकेशनल इंस्टीटयूट के मैकेनिकल चतुर्थ वर्ष के छात्रों द्वारा लगाया गया 'थ्री–डी प्रिंटर' मॉडल दर्शकों द्वारा सराहनीय रहा जो आज अनेक शिक्षा व व्यवसायिक क्षेत्रों में अनिवार्य प्रतीत होता है और भविष्य अनेक समस्याओं का समाधान करने वाला है इसके अलावा हिन्दुस्तान कॉलेज के सिविल इंजी. विभाग के चतुर्थ वर्ष के छात्र/छात्रओं द्वारा 'नवोन्मेषित दृढ़ कुलावा' मॉडल जोकि भारतीय किसानों की पानी की समस्या को दूर करने के लिए नहरों से जल सतह के

कम या अधिक होने के बावजूद निश्चित बहाव के लिए बनाया गया एक दर्शनिय मॉडल रहा जिसे दर्शकों ने बहुत सराहा। वहीं सिविल इंजी विभाग के ही चतुर्थ वर्ष के छात्र/छात्राओं द्वारा बनाये गये अन्य मॉडल 'बेस ऑयसोलेशन' पर आधारित भूकंप विरोधी भवन को भी प्रशंसा मिली।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने इस इन्नोवेशन डे की सफलता के लिए सभी विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थियों को शुभकामनायें देते हुये बधाई संदेश दिया vkj
उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें भी दीं।

कार्यक्रम मुख्य अतिथि श्री देबाशीष चक्रबर्ती ने अपने उद्घाटन सम्बोधन में प्रतिभागी छात्र/छात्राओं से सीधा संवाद करते हुए भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के भाव के जरिये निरन्तर अविष्कार करते रहने के लिए प्रेरित किया और कहा कि हमें बड़े स्वप्न देखने चाहिए पर उन्हे सच साबित करने के लिए नींद से जागना भी पड़ेगा अगर आप उड़ने की तमन्ना नहीं रखते तो आप कदापि नहीं उड़ सकते, अतः अपनी मातृभूमि के लिए अगाध प्रेमावेश की आवश्यकता है। आज भारतीय तकनीक शिखर पर है और प्रक्रमक (प्रोसेसर) युवा टेक्नोक्रेट के मस्तिष्क में है और टीम भावना के साथ मिलकर आगे बढ़ना होगा और

अपने देश का नाम दुनिया में ऊँचा करके गर्व के साथ विदेशियों के पैकेज लालच को दरकिनार कर मात्रभूमि की सेवा के एक अनोखे सुख का अनुभव करना होगा, खासतौर से आलस्य त्यागकर।